1. हमारी भाषा

सभी प्राणी अपने मन के भावों या अपनी बात को समझाने के लिए किसी-न-किसी माध्यम का प्रयोग करते हैं। अपनी बात दूसरों को कहना तथा दूसरों की बात सुनना या समझना भाषा है। जीव-जंतुओं की भी भाषा होती है।

- ❖ बच्चों को चित्र दिखाकर भाषा के बारे में समझाएँ।
- ❖ उन्हें भाषा के विभिन्न रूपों के बारे में बताएँ, जैसे- संकेत वाली भाषा, मौखिक भाषा तथा लिखित भाषा।
- ❖ अब चित्र दिखाकर बच्चों से भाषा के रूप पहचानने के लिए कहें।
- ❖ उनसे शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ।
- ❖ पाठ में वर्णित उदाहरणों के अलावा बच्चों को सांकेतिक, मौखिक तथा लिखित भाषा संबंधी अन्य उदाहरणों से भी अवगत कराएँ। जैसे- ट्रैफिक पुलिस द्वारा संकेतों से ट्रैफिक नियमों का पालन करवाना, रेडियो सुनना, पत्र या कहानी लिखना, टेलीविजन देखना, अखबार पढ़ना आदि।
- ❖ बच्चों को उचित उदाहरण देकर मौखिक और लिखित भाषा में अंतर भी बताएँ।
- ❖ उन्हें हमारी राजभाषा हिंदी के बारे में बताएँ।
- ❖ संसार की विभिन्न भाषाओं के नामों से अवगत कराएँ।
- ❖ बच्चों से पाठ का अभ्यास करवाएँ। आवश्यकतानुसार इस कार्य में उनकी मदद करें।